मध्यकालिन भारतीय इतिहास :- ७१२ AD – १७०७ AD

भारत पर अरब एवं तुर्क आक्रमणकारी :-

⇒ भारत पर सर्वप्रथम अरबों का आगमन केरल के मालावार तट पर व्यापारी के रूप हुआ था अतः भारत में इस्लाम का आगमन केरल में हुआ न कि सिन्ध में

⇒ अरब भारत पर प्रथम मुस्लिम आक्रमणकारी थे।

∴

⇒ अरब आक्रमण के समय सिन्ध की राजधानी अलोर जो वर्तमान में रोहेरा पर शासक दाहिर था।

⇒ दाहिर के पिता का नाम चच था, जो ब्राह्मण था।

⇒ चचनामा सिन्ध पर अरब आक्रमण का सर्वाधिक प्रमाणिक स्त्रोत है।

→ लेखक :- मोहम्मद बिन कासिम के किसी अज्ञात सैनिक/सेवक ने अरबी भाषा में लिखी थी

मोहम्मद बिन कासिम :-

⇒ पैगम्बर मौहम्मद साहब के उत्तराधिकारी उम्मैयद बिन खलीफा का सेनापति मोहम्मद बिन कासिम था।

⇒ रावर का युद्ध :- 20 JUNE 712 AD :- मोहम्मद बिन कासिम व सिन्ध का राजा दाहिर
↳ विजयी

⇒ दाहिर की मृत्यु के बाद उसकी विधवा पत्नी रानीबाई ने रावर के दुर्ग की रक्षा की।

⇒ आक्रमण का उद्देश्य :- अरब राज्य का विस्तार व इस्लाम धर्म का प्रचार प्रसार करना

⇒ सिन्धु क्षेत्र पर सर्वप्रथम अरबो ने दिरहम सिक्का, खजूर खेती व ऊँट पालन प्रा॰ किया।

⇒ प्रथमबार सिन्धुवासियो पर जजिया कर (गैर धार्मिक कर) 712 ई॰ में मोहम्मद बिन कासिम ने लगाया था।

⇒ हिन्द भारत की जनता के संदर्भ में सर्वप्रथम हिन्दू शब्द का प्रयोग अरबो ने किया था

भारत पर तुर्क आक्रमणकारी :-

⇒ अरबों के बाद तुर्कों ने भारत पर आक्रमण किया, तुर्क चीन के उत्तरी-पश्चिमी क्षेत्र में निवास करने वाली असभ्य बर्बर जाति थी।

⇒ अल्पतगीन :-

→ गजनी साम्राज्य का संस्थापक था।

⇒ सुबुक्तगीन : अल्पतगीन का गुलाम / दास था, 977 में यामिनी वंश की स्थापना की थी।

⇒ भारत पर आक्रमण करने वाला प्रथम तुर्क आक्रमणकारी सुबुक्तगीन था, जिसने 986 AD में में हिन्दू शाही राजवंश के राजा जयपाल पर आक्रमण किया।

→ ईश्वर का शत्रु

मोहम्मद गजनवी :- (998-1030 AD) → 997

⇒ मोहम्मद गजनवी, सुबुक्तगीन का पुत्र था। अपने पिता की मृत्यु के बाद 998 ई० में गद्दी पर बैठा।